चीनी का उत्पादन 2 फीसदी घटकर 230 लाख टन

सूखे के कारण महाराष्ट्र व कर्नाटक में चीनी के उत्पादन में गिरावट

प्रेट्र • नई दिल्ली

पिछले अक्टूबर से शुरू हुए मौजूदा मार्केटिंग सीजन 2012-13 के पहले छह माह में देश में चीनी का उत्पादन दो फीसदी घटकर 230.5 लाख टन रह गया है। महाराष्ट्र और कर्नाटक में उत्पादन कम रहने के कारण कुल उत्पादन में कमी दर्ज की गई है। ब्राजील के बाद भारत दुनिया का सबसे बड़ा चीनी उत्पादक देश है।

देश में पिछले साल समान अवधि में 234.5 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ था। उद्योग संगठन इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) ने एक बयान में कहा है कि मार्च 2013 तक देश में 230.5 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ। इस दौरान 2285 लाख टन गन्ने की पेराई की गई। इस साल गन्ने में मिठास का अनुमान 10.09 फीसदी रहा। महाराष्ट्र में आलोच्य अवधि के दौरान 77 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ जबकि पिछले साल इस अवधि में उत्पादन करीब चार फीसदी ज्यादा था। कर्नाटक में भी चीनी का उत्पादन सात फीसदी घटकर 32.9 लाख टन रह गया। इन दोनों राज्यों के कई क्षेत्रों में पिछले साल सूखे की स्थिति पैदा हो गई थी। इस वजह से गन्ने की पैदावार प्रभावित हुई।

इस्मा के अनुसार इस दौरान उत्तर प्रदेश में 67.5 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ। पिछले साल इस अवधि में 66.7 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ था। इस्मा का अनुमान है कि चालू सीजन के दौरान देश में कुल 246 लाख टन चीनी का उत्पादन होगा। पिछले सीजन में 263 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ था। हालांकि इस्मा का कहना है कि देश में बिक्री के लिए सरकार चालू सीजन में 230 लाख टन चीनी का कोटा जारी करेगी। इस लिहाज से उत्पादन करीब 16 लाख टन ज्यादा रहेगा।